परेशानी बढ़ रही है। इसको जहां तक हो सके, हम घटाना चाहते हैं लेकिन साथ ही साथ इस सदन के, माननीय सदस्यों को यह भी ध्यान में रखना होगा कि हम अपनी सुरक्षा के मामले में सतर्क रहें। हमें पूरी तरह से सतर्क रहना है। इन दोनों चीजों को दृष्टि में रखते हुए हमें अपनी पालिसी बनानी पड़ती है—यही मुझे कहना है।

———

13.11 hrs.

PERSONAL EXPLANATION BY A MEMBER

MR. DEPUTY-SPEAKER : Now, Personal Explanation under Rule 357. Shri Atal Bihari Vajpayee.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (नई दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोदय, दिनांक 1 मार्च, 1984 को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव पेश हुआ था, उस पर हुई बहस में भाग लेते हुए ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री आरिफ मोहम्मद खां ने मेरे ऊपर यह व्यक्तिगत आक्षेप किया कि मैंने खान अब्दुल गफ्फार खां पर होने वाले अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने पर एतराज किया और उसे पाकिस्तान के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप बताया।

श्री आरिफ मोहम्मद खां के भाषण का संबंधित अंश इस प्रकार है :—

> "और आज आपके दिल में इतना प्यार समाया है कि आज अगर खान अब्दुल गफ्फार खां, जो हमारे भी स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी रहे हैं, उनके ऊपर किए गए अत्याचार के खिलाफ आपत्ति की जाती है तो उसपर भी आपको एतराज है, उसको आप पाकिस्तान के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप बता रहे हैं।"

(लोकसभा विवाद भाग-2, पृष्ठ संख्या 2156)

मुझे खेद है कि श्री आरिफ मोहम्मद खां ने इस तरह के आरोप लगाने से पहले तथ्यों की छानबीन करने का प्रयत्न नहीं किया। तथ्य यह है कि मैंने खान अब्दुल गफ्फार खां की नजरबन्दी, जेल में उनके साथ किए जा रहे व्यवहार तथा उनकी बीमारी की खबरों पर सार्वजनिक रूप से चिन्ता प्रकट की है और इस आशय के वक्तव्य भी दिए हैं। खान अब्दुल गफ्फार खां भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानी रहे हैं और उनके प्रति सभी भारतीयों के हृदय में, फिर वह किसी भी राजनीतिक विचारधारा से सम्बन्धित हों, असीम आदर की भावना विद्यमान है।

21 दिसम्बर, 1978 को विदेश मन्त्री के नाते, इसी सदन में खान अब्दुल गफ्फार खां के सम्बन्ध में मैंने कहा था :

> "बेलग्रेड में जब नान-एलायन्ड नेशन्ज का सम्मेलन हो रहा था और उससे कुछ ही दिन पहले बादशाह खान काबुल में पहुंचे थे—जलालाबाद में रहते थे—तो मैंने अफगानिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेशमंत्री से कहा था कि भारत सरकार बादशाह खान की जांच-पड़ताल के लिए भारतीय डाक्टरों को भेजने के लिए तैयार है, और अगर बादशाह खान भारत में इलाज कराना चाहते हैं तो उसके लिए हम पूरा प्रबन्ध करने को तैयार हैं, उनके लिए इलाज का प्रबन्ध करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है, हमारा धर्म है। इस सम्बन्ध में किसी के मन में कोई शंका नहीं होनी चाहिए।"

दिनांक 25 अगस्त, 1983 को भारत सरकार की ओर से जब विदेश मंत्री श्री नरसिंह राव ने लोक सभा में एक वक्तव्य द्वारा खान अब्दुल गफ्फार खां के बिगड़ते हुए स्वास्थ्य पर चिन्ता प्रकट की थी तो मैं सदन में मौजूद था और सारे सदन ने उस वक्तव्य के साथ अपनी सहमति प्रकट की थी।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चे की समन्वय समिति

ने, जिसकी अध्यक्षता चौ० चरण सिंह ने की थी और जिसमें मैं भी उपस्थित था, दिनांक 31 अगस्त, 1983 को आयोजित अपनी बैठक में अग्रणी नेता खान अब्दुल गफ्फार खां के बिगड़ते हुए स्वास्थ्य और उन्हें मिलने वाली अपर्याप्त मेडिकल सहायता पर चिन्ता प्रकट की थी और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की थी।

यह आरोप लगाना कि मैं या मेरी पार्टी या राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा खान अब्दुल गफ्फार खां के साथ पाकिस्तान में जो व्यवहार हो रहा है, उसके विरोध में आवाज उठाने को पाकिस्तान के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप मानते हैं, नितान्त निराधार है। मानवीय अधिकारों में हमारी पूरी निष्ठा है और हम विश्व के सभी भागों में, फिर वह पाकिस्तान हो या अफगानिस्तान, उन अधिकारों के उल्लंघन किए जाने के खिलाफ है और उसके विरोध में आवाज उठाने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं।

MR. DEPUTY-SPEAKER : The House stands adjourned to meet at 2-15 P.M.

13.15 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till fifteen minutes past Fourteen of the clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at eighteen minutes past Fourteen of the Clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

LIFE INSURANCE CORPORATIONS BILL

Election to Joint Committee

SHRI MOOL CHAND DAGA (Pali) : Sir, I beg to move :

> "That this House do appoint Shrimati Kailash Pati to the Joint Committee on the Bill to provide, with a view to the more effective realisation of the objectives of nationalisation of life insurance business, for the dissolution of the Life Insurance Corporation of India and for the establishment of a number of Corporations for the more efficient carrying on of the said business and for matters connected therewith or incidential thereto vice Smt. Sukhbuns Kaur resigned."

MR. DEPUTY-SPEAKER : The question is :

> "That this House do appoint Shrimati Kailash Pati to the Joint Committee on the Bill to provide, with a view to the more effective realisation of the objectives of nationalisation of life insurance buslness, for the dissolution of the Life Insurance Corporation of India and for the establishment of a number of Corporations for the more efficient carrying on of the said business and for matters connected therewith or incidental thereto vice Smt. Sukhbuns Kaur resigned."

The Motion was adopted.

14.16 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Fifty-sixth Report

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI H.K.L. BHAGAT) : I beg to move :

> "That this House do agree with the Fifty-sixth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 5th March, 1984".

MR. DEPUTY-SPEAKER : The question is :

> "That this House do agree with the